समता बदनामी की ओर

कुऐं की लम्बाई, चौड़ाई, लहरे की ऊँचाई एवं चबूतरे, ढ़लाई का दर निश्चित करना, मिट्टी खोदाई की मात्रा, बैठका की ऊँचाई और नापने के तरीके का एस्टीमेट तैयार करने के तरीके की बात गांव में जब की जाने लगी तब जनता का विश्वास जो मेघ पाईन अभियान पर था वह टूटने लगी, अविश्वास होने लगा, आरोप लगने लगे कि आपलोगों के पास इस काम को करने के लिए बहुत पैसा है, परन्तु आपलोग हमलोगों को मूर्ख समझकर सहयोग के नाम पर गोल–माल करते हैं। जिसके उदाहरण हम इस रूप में दे सकते हैं कि जिस जनता ने पूरी ताकत लगाकर धरती माँ की गोद से कुआँ को निकालने का काम किया उसी जनता ने एक बाल्टी और रस्सी के नाम पर दूर भागने का काम किया। अन्ततः काफी प्रयास के बाद जनता की आवाज खुलकर सामने आयी कि आपलोग हमें मुर्ख बनाकर पैसा लूट रहे हैं जो समता के लिए कलंक का टीका लगा।